कंप्यूटर विज्ञान अध्ययन शाला , पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर में गोन कंप्यूटिंग पर तीन दिवसीय राष्टीय संगोष्ठी

कंप्यूटर विज्ञान अध्ययन शाला पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर में ग्रीन कंप्यूटिंग पर तीन दिवसीय राष्टीय संगोष्ठी का उदघाटन दिनॉक 24.10.2013 को संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि एन.आई. टी.के डायरेक्टर डॉ सुदर्शन तिवारी थे।सबसे पहले विभागाध्यक्ष डॉ संजय कुमार ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला,उन्होने बताया कि कुल CO_2 उत्सर्जन का 2 प्रतिशत आई.टी. सेक्टर के द्वारा होता है जो कि निश्चय ही नगण्य नहीं है, और इस दो प्रतिशत में 39 प्रतिशत योगदान कंप्यूटर यूजर का है। अतः हर कंप्यूटर यूजर की जिम्मेदारी उसे कम करने की है। मुख्य अतिथि डॉ सुदर्शन तिवारी उर्जा संरक्षण के उपायों पर प्रकाश डाला। क्रेडा के सी.ई.ओ. ने बताया कि क्रेडा के माध्यम से कई महत्वपूर्ण भवनों को सौर उर्जा से प्रकाशित किया गया है। कुलपति प्रो. एस. के. पाण्डे ने आने वाली पीढियों के लिये उर्जा संरक्षित करने के महत्व के बारे में बताया,इस संगोष्ठी से सामने वाले उपायों का क्रियान्वन भी किया जाये।

चेन्नई से आये आनंद राजन ने डेटा सेंटर में उर्जा की खपत में कमी लाने के लिये एक नये एल्गोरिथम(Computer Program) के बारे में जानकारी दी। उड़ीसा से आये श्री निवास सेठी ने Clould Computing में Virtualization के माध्यम से उर्जा बचत करने के उपायों के बारे में बताया। आंध्रप्रदेश से आये रवि रेड्डी कंप्यूटर लैपटॉप, टेबलेट, मोबाईल के द्वारा होने वाले उर्जा का तुलनात्मक विश्लेषण किया। Pollution Control Board के पूर्व अध्यक्ष श्री अनिल शर्मा ने बताया कि ई–वेस्ट कैंसर तक की घातक बिमारियॉ हो सकती है। C.S.E.B. के पूर्व चीफ इंजीनियर श्री कस्सु ने कहा कि सरकार को

e-waste के बारे में सक्त नियम बनाने की आवश्यकता है।